तापमान
अधिकतम 28.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
रत्न भूमि

रायपुर, मंगलवार 26 अगस्त 2025

13 तीजा पर्व की धूम, यात्री बसों में भीड़, कपड़ा श्रृंगार की...

14 गणेश चतुर्थी की धूम, पंडालों और घरों में तैयारियां...

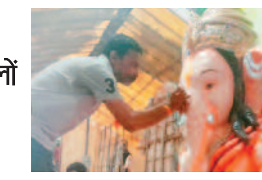

खबर संक्षेप

अछरीडीह रोड गड्ढे में तब्दील स्कूली बच्चे, किसान परेशान

बिरकोनी। ग्राम अछरीडीह, नयापारा के सैकड़ों बच्चे बिरकोनी और महासमुंद कॉलेज पढ़ने आते है। कीचड़युक्त रोड़ चार किलोमीटर में जगह-जगह जानलेवा गड्ढे है। जहां साइकिल भी चला पाना मुश्किल है। सड़क की हालत खेत जैसी हो गई है। स्कूली बच्चों व ग्रामीणों को रोज तकलीफों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि वे विगत कई वर्षों से यही समस्या है, इसके बावजूद शासन बिलकुल ध्यान नहीं दे रहे। जनप्रतिनिधियों को भी अवगत करा दिया गया है। बताया जाता है कि ग्राम पंचायत व सुशासन तिहार में मांग की थी, जिसका निराकरण अभी तक नहीं हुआ है। अछरीडीहवासियों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व अधिक बारिश होने से कीचड़ बहुत जाता हो गये थे।

हादसा : मौत से गांव में छाया मातम, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

सिकासर डेम में मछली पकड़ने गए युवक की डूबने से हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद/ मैनपुर

जिले के प्रसिद्ध सिकासर डैम में मछली मारने पहुंचे एक युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना शुक्रवार की है। तीन दिन की कड़ी तलाश के बाद रविवार को युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान ग्राम निवासी घासीराम कुमार (32 वर्ष) के रूप में हुई है। इस दर्दनाक हादसे ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 22 अगस्त की सुबह घासीराम अपने एक साथी के साथ सिकासर डैम मछली मारने पहुंचा था। दोनों करीब 500 से 600 मीटर की दूरी पर अलग-अलग स्थान पर मछली पकड़ रहे थे। इस दौरान घासीराम गहरे पानी में चला गया। प्रत्यक्षदर्शी साथी ने बताया कि वह दो बार पानी से बाहर निकला, लेकिन तीसरी बार बाहर नहीं आ सका। घटना की खबर मिलते ही साथी गांव पहुंचा और ग्रामीणों को सूचना दी। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंचे और तलाश शुरू की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। बाद में पुलिस और प्रशासन को जानकारी दी गई।

तीन दिन बाद मिला शव

रेस्क्यू टीम रही नाकाम

पुलिस की सूचना पर रेस्क्यू टीम और गोताखोरों ने लगातार दो दिन तक सर्च ऑपरेशन चलाया, मगर शव नहीं मिल सका। रविवार को डैम के मछली पालन क्षेत्र के पास शव पानी की सतह पर दिखाई दिया। ग्रामीणों ने इसकी खबर पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए मैनपुर अस्पताल भेजा। जांच उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया गया। घासीराम की मौत से गांव में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण इसे बेहद दर्दनाक हादसा बताते हुए परिवार को सांत्वना दे रहे हैं।

तेंदुए ने गांव में घुसकर गाय का किया शिकार

ग्रामीणों में दहशत का माहौल

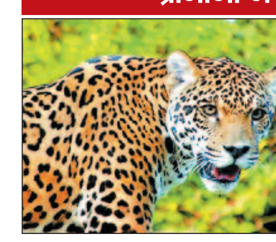

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद/पांडुका

वन परिक्षेत्र पांडुका के ग्राम तौरेंगा में तेंदुए ने आबादी क्षेत्र में घुसकर एक गाय का शिकार कर दिया। बीती रात एक किसान के खेत में तेंदुए ने गाय को मारकर उसका कुछ हिस्सा खाया और बाकी छोड़ दिया। ग्रामीणों के अनुसार कुछ दिनों पहले आसपास दो शावकों के साथ एक मादा तेंदुआ दिखाई दी थी। अनुमान लगाया जा रहा है कि बच्चों की भूख मिटाने के लिए तेंदुए ने यह शिकार किया। शिकार की गई गाय ग्राम मौलीपारा से करीब आधा किलोमीटर दूर मिली। मोहल्लेवालों का कहना है कि जतमई मार्ग पर 8–10 लावारिश गायों का झुंड अक्सर देखा जाता है और मारी गई गाय भी इन्हीं में से एक थी। सुबह जब किसान खेत पहुंचा तो मवेशी का शव देखकर ग्रामीणों को सूचना दी। बिट गार्ड लोकेश श्रीवास मौके पर पहुंचे और पंचनामा बनाया गया। जांच में यह साबित हुआ कि गाय लावारिश थी और किसी ग्रामीण ने इसकी मालिकी नहीं ली। गांव और आसपास के क्षेत्रों में तेंदुआ, भालू, हिरण, नीलगाय और लकड़बग्घा जैसे कई जंगली जानवर पाए जाते हैं। हालांकि लगातार शिकार और तस्करी के चलते इनकी संख्या में तेजी से कमी आई है। जानकारों का कहना है कि यहां से जंगली जीवों की अवैध तस्करी विदेशों तक होती है और राजधानी से भी शिकारी अत्याधुनिक हथियारों के साथ यहां शिकार करने आते हैं।

सफलता के लिए एकाग्रता जरूरी : देवांगन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

सोमवार को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बरोंडा में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए कैरियर निर्माण के गुर सीखे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे रायपुर के सुप्रसिद्ध शिक्षाविद् मुरली मनोहर देवांगन डायरेक्टर थिंक आईएएस ने विभिन्न प्रेरक प्रसंगो के माध्यम से बच्चों को कैरियर निर्माण पर व्याख्यान दिए। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा की सफलता के लिए ध्यान केंद्रित कर पढ़ना आवश्यक है। साथ ही जो भी विषय लिए हो उसे रूचि पूर्वक पढ़ें। इस अवसर पर संस्था के ▶▶|शेष पेज 12 पर

■ बरोंडा में सैकड़ों छात्रों ने सीखे कैरियर निर्माण के गुर

पुरुष में आरंग व महिला कबड्डी में पेंड्रा मरवाही की टीम ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

पोला पर्व के अवसर पर राजिम नवयुवक मंडल छत्तीसगढ़ बेरोजगार संघ द्वारा पोला महोत्सव का आयोजन मेला मैदान में विभिन्न पारंपरिक खेलों के साथ आयोजित किया गया। प्रथम सोपान में बैल पूजन के साथ कार्यक्रम का शुभारभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय ने की। इस अवसर पर उन्होने खेल को खेल भावना के साथ खेलने की बात कही। एक स्वस्थ शरीर के लिए खेल के महत्व बताया। विशेष अतिथि सुनील श्रीवास्तव एवं पवन गुप्ता ने खिलाड़ियों को बधाई दी। खेल के द्वितीय सोपान समापन

एवं पुरस्कार वितरण समारोह के अतिथि नगर पंचायत राजिम के अध्यक्ष महेश यादव एवं डॉक्टर एके शर्मा ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार की राशि और शील्ड प्रदान किया। इस आयोजन में कबड्डी पुरुष एवं महिला टीम मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा। पुरुष कबड्डी में 18 एवं महिला कबड्डी में 10 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें पुरुष कबड्डी फाइनल आरंग और मस्तूरी बिलासपुर के मध्य खेला गया जिसमें आरंग की टीम बहुत ही सुंदर ढंग से मस्तूरी की टीम को हराकर विजय श्री हासिल किया। प्रथम पुरस्कार 15001/- एवं शील्ड दी गई। उपविजेता मस्तूरी को 10001/- ▶▶|शेष पेज 12 पर

प्रस्तुति- श्यामकिशोर शर्मा, ब्यूरोचीफ, हरिभूमि कार्यालय राजिम, जिला गरियाबंद, मो.नं.-79871-24123

खबर संक्षेप

देवरी में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया

महासमुंद। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवरी में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम आर्यभट्ट से गगनयान प्राचीन ज्ञान से अनंत संभावनाओं तक रखा गया। विद्यालय के प्राचार्य डोमन सिंह टंडन के मार्गदर्शन में अटल टिंकरिंग लैब में छात्र-छात्राओं को मिशन चंद्रयान से अवगत कराकर चंद्रयान के सफलतापूर्वक चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने की खुशी में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने के बारे में बताया और ये भी बताया कि ऐसा करने वाले हम दुनिया के प्रथम देश है। इस अवसर पर प्राचार्य डोमन सिंह टंडन ने बताया कि आर्यभट्ट भारत का प्रथम उपग्रह था। इसके पश्चात देश के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष के अनेक मिशन को सफलता पूर्वक संपन्न किया। व्याख्याता रविप्रकाश पात्रे ने बताया कि भारत का इसरो और अमेरिका का नासा लगातार अंतरिक्ष मिशन में कार्य कर आम नागरिक के लिए सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे है। भौतिक के व्याख्याता आशीष दीवान ने पृथ्वी, चंद्रमा, मंगल इत्यादि ग्रहों की गति के माध्यम से मिशन चंद्रयान को समझाने का प्रयास किया। व्याख्याता बीएल टंडन ने बताया कि वर्तमान में मोबाइल जैसे सुविधाएं भी हमारे वैज्ञानिकों की देन है, जो संचार उपग्रह से मिल पाते हैं। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता परस राम सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में व्याख्यातागण नेशलाल धृतलहरे, संजय बारसागढ़े, आनन्द राम व्यौहार, नीलू सोनी, भोजराम ध्रुव, कुलेश्वर सिंह ठाकुर, सहायक शिक्षक उदेश्याम यादव, मौसमी चंद्राकर, देवानंद चंद्राकर, कार्यालयीन कर्मचारी हितेश साहू, रईस मिर्जा, कार्तिक राम साहू सहित समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

हरजिंदर बने विधायक प्रतिनिधि

महासमुंद। स्थानीय विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने अपने विधायक कार्यालय महासमुंद में आयोजित कार्यक्रम में हरजिंदर सिंह (शम्मी सलूजा) को उप तहसील झलप का विधायक प्रतिनिधि नियुक्त किया। इस अवसर पर विधायक ने नियुक्ति पत्र सौंपते हुए कहा कि शम्मी सलूजा की सक्रियता और सामाजिक कार्यों में सहभागिता को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यक्रम में ललिता अग्रवाल, निर्भय नायक, सागर साहू, राजू साहू सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। नियुक्ति पर ललिता अग्रवाल, देवा नायक, कमल आदि ने हर्ष जताया है। कौशिक, निर्भय नायक, सागर साहू, सुनील निषाद, धर्मेश शुक्ला, देवेन्द्र राय, सुनील पटेल, विकास अग्रवाल, टीकाराम पटेल, संतु यादव, छबिंद्र पटेल, धनेश सिन्हा, कुलजीत सलूजा, चूड़ामणि डडसेना, हनी गंभीर, महेश देवांगन, ललित पटेल, यश पटेल, पप्पू पटेल एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने हर्ष जताया है।

51 घरों में गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ का आयोजन

खल्लारी। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के दिव्य संरक्षण, गायत्री शक्तिपीठ बागबाहरा के तत्वावधान में सरायपाली ईकाई के ग्राम लमकेनी में 24 अगस्त को गायत्री परिवार विकास खंड बागबाहरा के युग पुरोहितों द्वारा 51 घरों मंध गृहे-गृहे गायत्री महायज्ञ किया गया। लमकेनी के गायत्री परिवार, ग्रामवासी, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों भागीरथ प्रयास सफल रहा। कार्यक्रम में विकास खंड बागबाहरा के दूरस्थ अंचलों से युग पुरोहितों का प्रवास सफल रूपों में वंदनीय रहा। उक्त दिवस सम्पूर्ण लमकेनी का वातावरण, आनंदमय खुशनुमा एवं भक्तिमय था। कार्यक्रम का शुरुआत गुरुदेव माता के पूजन अर्चन के साथ प्रारंभ किया गया। पश्चात हवन यज्ञ के लिए युगपुरोहितो को रोली गुलाल से स्वागत कर वरिष्ठों द्वारा प्रस्थान कराया गया। यज्ञ का मुख्य उद्देश्य परम वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा, अखंड ज्योति जन्म शताब्दी 2026 के लक्ष्यों के पूर्णता के लिए जगह जगह कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के वरिष्ठ कार्यकर्ता, युग गायक गजानंद सिंह ठाकुर,सीता राम पटेल, सुखन साहू, नंद कुमार नेगी, सुदामा, चतुर राय, सुभाषिनी, रिंपा मुक्ता आदि मौजूद रहे।

मूर्तिकला से नवागांव की विशेष पहचान, पूरा परिवार मिलकर देता है आकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

नवापारा से सटे नवागांव-कोलियारी में 30 से ज़्यादा परिवार पिछले पचास सालों से अपनी पारंपरिक विरासत को संजोए हुए हैं। ये परिवार कुम्हार समुदाय से हैं और मूर्तिकला के काम में लगे हुए हैं। उनकी कला इतनी परिष्कृत है कि वे किसी भी तस्वीर को देखकर हुबहू जीवंत मूर्ति बना देते हैं। विरासत में मिले इस हुनर के आगे सांचे भी फीके पड़ जाते हैं। इन मूर्तिकार परिवारों की आर्थिक स्थिति तंग होने के बावजूद, ये साल के 8 से 10 महीने मूर्तियों को आकार देने में लगे रहते हैं।

साल भर चलता है मूर्ति निर्माण का काम

कला की प्रक्रिया और पारंपरिक उत्पाद

मूर्ति बनाने की प्रक्रिया में कई महीने लग जाते हैं। सबसे पहले चिकनी मिट्टी को कई दिनों तक भिगोया जाता है। इसके बाद, लकड़ी के फ्रेम पर पुआल लपेटकर मिट्टी की परतें चढ़ाई जाती हैं। हर परत के सूखने के बाद फिनिशिंग का काम शुरू होता है। बारिश के दिनों में मूर्तियों को सुखाने के लिए ड्रायर का इस्तेमाल किया जाता है। घिसाई और रंग-रोगन के बाद, कलाकार गणेश जी की मूर्तियों को मखमली कपड़े और स्टोन से सजाकर एक जीवंत रूप देते हैं। गणेश चतुर्थी के बाद, ये कलाकार मां दुर्गा और लक्ष्मी जी की मूर्तियां बनाने में जुट जाते हैं। मूर्तियों के अलावा, ये परिवार मटके, सुराही, दिए, चौकियां, और मिट्टी के बर्तन भी बनाते हैं, जो उनकी पारंपरिक कला का हिस्सा हैं।

गणेश चतुर्थी से चार दिन पहले नवागांव में चहल-पहल बढ़ जाती है। दूर-दराज के शहरों जैसे रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर, महासमुंद, पिथौरा और सरायपाली से ऑर्डर की गई गणपति की मूर्तियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इन मूर्तियों को क्रेन की मदद से बड़े वाहनों में लादकर भेजा जाता है। मूर्तिकारों ने बताया कि जनवरी से ही गणपति की मूर्तियों के ऑर्डर मिलने शुरू हो जाते हैं। वे एक फुट से लेकर 15 फुट तक की मूर्तियां बनाते हैं, जिनकी कीमत 200 से 1 लाख तक होती है। बड़े पंडालों के लिए ऑर्डर के अनुसार खास थीम पर मूर्तियां बनाई जाती हैं, जैसे बाल गणेश, जगन्नाथ, लंबोदर, छोटा भीम, शिव-पार्वती के साथ गणपति और लाल बाग के राजा।

पहल : बाघ और हिरण जंगल में संतुलन की नई पहल

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में छोड़े गए हिरण, बाघों को मिलेगा प्राकृतिक शिकार

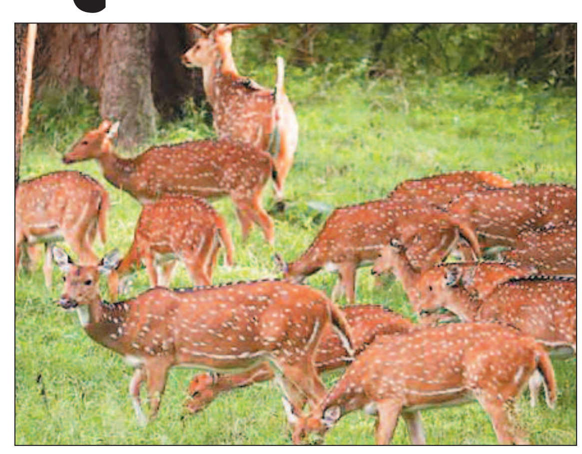

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

अलग खबर

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में बाघों की मौजूदगी के बाद वन विभाग उनकी सुरक्षा को लेकर मुस्तैद हो गया है। इसी कड़ी में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए विभाग ने नवा रायपुर स्थित जंगल सफारी से करीब 35 हिरणों को रिजर्व में छोड़ा है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाघ, तेंदुआ और अन्य मांसाहारी जीवों के लिए प्राकृतिक शिकार की उपलब्धता बढ़ाना है, ताकि वे भोजन की तलाश में इंसानी बस्तियों की तरफ न आएं। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, टाइगर रिजर्व में वर्तमान में एक बाघ और बड़ी संख्या में तेंदुए मौजूद हैं। इसके अलावा सियार, लकड़बग्घा और भालू जैसे अन्य जीव भी पाए जाते हैं। अगर जंगल में शिकार प्रजातियों की संख्या कम हो जाए, तो ये हिंसक जानवर गांवों और रिहायशी इलाकों में आ सकते हैं, जिससे मानव और वन्यजीवों के बीच संघर्ष बढ़ने का खतरा रहता है। हिरणों को जंगल में छोड़ने से शिकार प्रजातियों की संख्या बढ़ेगी, जिससे शिकारी जानवर जंगल के भीतर ही अपने प्राकृतिक आहार पर निर्भर रहेंगे। सभी हिरणों का स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद, उन्हें कड़ी निगरानी और सुरक्षा के बीच जंगल में छोड़ा गया।

वन्यजीवों की सुरक्षा बढ़ाएगी

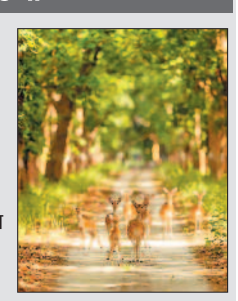

हिरणों को जंगल में छोड़े जाने के समय आसपास के ग्रामीण भी मौजूद थे। बच्चों और महिलाओं ने हिरणों को खुले जंगल में दौड़ते हुए देखकर खुशी जताई। ग्रामीणों का मानना है कि यह पहल न केवल वन्यजीवों की सुरक्षा बढ़ाएगी, बल्कि पर्यटन की संभावनाओं को भी मजबूत करेगी, जिससे उन्हें रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं। सीतानदी क्षेत्र के उपनिदेशक वरुण जैन ने बताया कि इन हिरणों को छोड़ने का मुख्य मकसद हिंसक जानवरों को आबादी वाले इलाकों में आने से रोकना है। यह कदम पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने और छत्तीसगढ़ को वन्यजीव पर्यटन के क्षेत्र में एक मजबूत पहचान दिलाने में भी मदद करेगा।

कबड्डी स्पर्धा की विजेता टीमों को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अभनपुर

शिवधाम क्रीडा मंडल खट्टी के तत्वाधान मे दो दिवसीय ग्रामीण स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के समापन मे मुख्य अतिथि के रूप मे समाजसेवी व साहित्यकार प्रभात मिश्र शामिल रहे। उपस्थित अतिथियो व जनप्रतिनिधियो ने विजेता टीम को स्मृति चिन्ह व नगद राशि पुरस्कृत कर सम्मानित किया। इस अवसर पर श्री मिश्र ने कहा कि कबड्डी केवल एक खेल नही है यह हमारी परंपरा व मिट्टी से जुड़ी एक पहचान है आज जब युवा पीढ़ी मोबाइल व इंटरनेट की दुनिया मे उलझ रही है ऐसे मे इस तरह के आयोजन कही न कही युवाओ मे उर्जा,अनुशासन और समर्पण की ओर अग्रसर करती है। प्रतियोगिता मे प्रथम स्थान मतवारी,द्वितीय मंडली,तृतीय पटेवा व चतुर्थ बरतोरी की टीम रही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सरंपच प्रेमनारायण साहू, उपसरपंच संतुराम निषाद, रामप्रसाद पटेरिया,फू लसिंह साहू, डोमर सिन्हा,मेघराज साहू,दुष्यंत यदु, रामचंन्द्र यादव,राधे यादव,अशु धुरव, गंगाराम साहू,डेरहा निषाद, रामकृष्णा साहू, अशोक निषाद, रॉबिन साहू,आकाश निषाद,दुर्गेश यादव, लिला यादव व ग्रामीण मौजूद रहे।

दुर्गोत्सव समिति के बलविंदर अध्यक्ष

झलप। स्थानीय स्तर पर भव्य दुर्गोत्सव आयोजन के लिए झलप में सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से बलविंदर सिंह सीटू को समिति अध्यक्ष चुना गया। सागर साहू उपाध्यक्ष, राजेंद्र चौधरी कोषाध्यक्ष, सुनील निषाद सचिव और सह सचिव की जिम्मेदारी प्रमोद ध्रुवंशी को सौंपी गई। साथ ही भागीरथी मार्कंडेय, शम्मी सलूजा, मुकेश अग्रवाल, कौशल देवांगन और किशन कोसरिया सहित गणमान्यजनों को समिति का संरक्षक बनाया गया है।

गणेश चतुर्थी को लेकर तैयारी हुई तेज, पंडाल निर्माण कार्य में जुटे बाल गणेश उत्सव समिति के सदस्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

गणेश चतुर्थी पर्व की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। शहरी क्षेत्र में पूजा पंडालों को भव्य बनाने के लिए इनका निर्माण तेज कर दिया गया है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्य प्रगति पर है। पूजा-पंडालों में दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को मुश्किल न हो, इसके लिए संबंधित पूजा समिति के सदस्यों द्वारा तैयारी तेज कर दी गई है। उधर, मूर्तियों को अंतिम रूप देने के लिए कारीगरों के हाथ तेजी से चलने लगे हैं। भगवान गणेश के जन्म के रूप में मनाए जाने वाले गणेश चतुर्थी पर्व की तैयारियां अब अंतिम चरणों में पहुंच गई हैं। जिले के क्षेत्रों में 27 अगस्त को पूजा पंडालों में भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित कर श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए पट खोल दिए जाएंगे। ग्राम बम्हनी में बाल गणेश उत्सव समिति के सदस्य इंद्रकुमार साहू, कौशिक साहू, देवेन्द्र साहू, परमेश्वर साहू, राकेश साहू, राजू विश्वकर्मा, भुनेश्वर साहू, हेमलाल साहू ने कहा कि पूजा पंडाल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। गणेश स्थापना के एक दिन पहले इसे पूर्ण कर लिया जाएगा। नगर के नजदीक ग्राम बम्हनी में 27 अगस्त को प्रतिमा की स्थापना कर पंडाल के पट खोल दिए जाएंगे।

राजिम में मार्च फॉर साइंस का आयोजन वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

रविवार को राजिम में मार्च फॉर साइंस ऑर्गनाइजिंग कमेटी, गरियाबंद द्वारा 'मार्च फॉर साइंस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्रों और विज्ञान प्रेमियों ने मानव श्रृंखला बनाकर विभिन्न मांगों को उठाया, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

जंगल कटाई, खनन पर तुरंत रोक लगाई जाए और जंगल, जल, जमीन और जैव विविधता की रक्षा की जाए। छत्तीसगढ़ में लागू (2005) अंधविश्वास निवारण कानून का कड़ाई से पालन किया जाए। अंधविश्वास के चलते हो रही सामूहिक हत्याओं को रोका जाए। संविधान के अनुच्छेद 51ए (एच) के अनुसार, वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा दिया जाए और अवैज्ञानिक विचारों के प्रचार पर रोक लगे।

केंद्र सरकार के बजट का कम से कम 10% और राज्य सरकारों के बजट का 30% शिक्षा पर खर्च किया जाए। जीडीपी का कम से कम 3% विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में निवेश किया जाए। अनुसंधान से जुड़ी सभी खरीद को जीएसटी से मुक्त किया जाए। शोध छात्रों की छात्रवृत्तियों और फेलोशिप का समय पर वितरण सुनिश्चित किया जाए।

मार्च फॉर साइंस ऑर्गनाइजिंग कमेटी, गरियाबंद के सदस्यों ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण देश में प्राकृतिक आपदाएँ बढ़ रही हैं, जैसे 2025 की गर्मियों में आग लगने की घटनाएँ, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में बादल फटना और बिहार में बाढ़। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और पेड़ों की कटाई से वन्यजीव विलुप्त होने की कगार पर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें व्यापारिक स्वार्थों के लिए वैज्ञानिक चेतावनियों को नजरअंदाज कर रही हैं। साथ ही, देश में वैज्ञानिक सोच पर हमला हो रहा है, जिससे अंधविश्वास और छद्म विज्ञान बढ़ रहा है। उन्होंने शिक्षा पाठ्यक्रमों में ऐसी सामग्री शामिल करने की मांग की जो समस्याओं को हल करने में मदद करे। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान पर जीडीपी का केवल 0.8% से भी कम खर्च करता है, जबकि अन्य देशों में यह 2.8 से 3.5% है। उन्होंने नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) में वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की भागीदारी सुनिश्चित करने की भी मांग की। इस कार्यक्रम में 30 से अधिक छात्रों और विज्ञान प्रेमियों ने हिस्सा लिया और सरकार से उनकी जायज मांगों को जल्द पूरा करने की अपील की।

अघरिया समाज ने मनाया कृष्ण जन्माष्टमी पर्व, भजन संध्या का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

अखिल भारतीय अघरिया समाज परिक्षेत्रनगर इकाई महासमुंद द्वारा अघरिया समाज के ईष्ट देव योगेश्वर, राधारमण, दामोदर कृष्ण भगवान के जन्मोत्सव पर्व कृष्ण जन्माष्टमी समाज के सामाजिक भवन अघरिया सदन मचेवा में सनातनी पूजा परंपरा एवं विधि विधान तथा हर्षोल्लास से मनाया गया। पूजा एवं आनंदोत्सव में शाम 4 बजे से समाज के लोग एकत्र हुए। सर्वप्रथम लड्डू गोपाल कृष्ण की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात महाआरती में सामाजिकजन सम्मिलित हुए। महाआरती के बाद कृष्ण भजनावली भजन संध्या का आयोजन रखा गया। जिसमें काव्यांश साहित्य एवम कला पथक संस्थान मुख्यालय महासमुंद के संगीतज्ञ बीआर साहू के निर्देशन में लोक कलाकरों की प्रस्तुति

रही। भजन संध्या में लोक कलाकार सुरेंद्र मानिकपुरी के भक्तिमयी भजन सुन कर श्रोताजन भाव विभोर हो गए। साथ ही भजन गायिका दिनेश्वरी नंद व रिया गोलछा के कंठप्रिय भजनों ने श्रोताओं को भक्ति रस में डुबोये रखा। भजन संध्या के पश्चात व्रत उपवास रखे सामाजिकजनों के लिए भोग प्रसाद वितरण किया गया। अंत में समस्त सामाजिकजनों व श्रद्धालुओं के लिए भी भोग प्रसाद खिचड़ी पुलाव की व्यवस्था रखा गया था। इस कार्यक्रम में काव्यांश संस्थान के प्रांताध्यक्ष भागवत जगत भूमिल, संरक्षक उमेश भारती गोस्वामी, संरक्षक धनंजय नेताम (संयुक्त कलेक्टर), कोषाध्यक्ष डी बसंत साव तथा भगोली राम साहू तथा किशन देवदास अपने संगीत टीम सहित उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अखिल भारतीय अघरिया समाज क्षेत्र महासमुंद के पूर्व अध्यक्ष व संरक्षक होरीलाल पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमसागर पटेल, केंद्रीय प्रतिनिधि जयराम पटेल, निर्मला पटेल, जशोमती पटेल, यमुना चौधरी, नवीन कश्यप, कमला पटेल, धनकुंवर पटेल, कुंती पटेल, दामिनी पटेल, सुनीता पटेल, उमा चौधरी, खेमलता चौधरी, गीता पटेल, राधिका पटेल सहित क्षेत्र एवं नगर परिक्षेत्र के समस्त सजातीय बंधुओं का विशिष्ट योगदान रहा।

पेज 11 के शेष...

सफलता के लिए...

प्राचार्य ललिता अग्रवाल ने कहा की कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम से बच्चों भविष्य में क्या बनना है इनकी जानकारी मिलती है। बच्चों को लक्ष्य सुनिश्चित करने में मदद मिलती है। वहीं दूसरे वक्ता आरंग के समाजसेवी व पीपला वेलफेयर फाउंडेशन के संयोजक महेन्द्र कुमार पटेल ने वर्तमान समय में बढ़ते मोबाइल के दुरूपयोग पर प्रकाश डालते हुए प्रेरक गीत और कहानी के माध्यम से प्रेरित किया। जो छात्र- छात्राओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम की संयोजिका देवकी साहू ने वक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा की अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं को कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के माध्यम से लाभान्वित करना उनका मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम के आयोजन संयोजन में अहम भूमिका राजिम की कन्या हायर सेकंडरी स्कूल की जनभागीदारी अध्यक्ष देवकी साहू, समाजसेवी महेन्द्र कुमार पटेल, राजिम की समाजसेवी व पूर्व मंडल उपाध्यक्ष मधु नथानी, संस्था की प्राचार्य ललिता अग्रवाल का रहा। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता वर्मा ने किया। कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सिंधौरी हायर सेकंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं व शिक्षक शिक्षिकाओं की सहभागिता रही।

पुरुष में आरंग व...

एवं शील्ड के साथ प्रदान किया गया। इसी प्रकार महिला कबड्डी में प्रथम स्थान प्राप्त पेंड्रा -मरवाही की टीम को 10001/- एवं शील्ड दी गई। उपविजेता पेंड्रा जिला की टीम को 7001/- एवं शील्ड दी गई। इसी प्रकार महिला रस्सी खींच में पेंड्रा नगर की टीम प्रथम एवं जय बाबा गरीबनाथ राजिम की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कुर्सी दौड़ में प्रथम पुरस्कार प्रगति क्लब रायपुर से सदस्य त्रिवेणी कुमार को एवं द्वितीय स्थान राजिम की अंजलि पटेल को गया है। बैल पूजन के साथ ही सजावट में राजिम के सुरेंद्र पटेल को प्रथम स्थान मिला। कार्यक्रम का संचालन धीरेन्द्र शर्मा एवं जय शर्मा ने किया। पूरे आयोजन को सफल बनाने में संघ के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा, भावेश ठाकुर, धीरेन्द्र शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, सुनील जैन, पवन सोनी, हेमंत साहू, राजेंद्र गुप्ता,लीलेश्वर यदु, रमेश नागवानी, संतोष शर्मा, संजय ठाकुर, बाबा ठाकुर, सुनील यादव, गजाधर ठाकुर, सागर निषाद, अजय पटेल, लिनेश तिवारी, योगेश साहू, यानेन्द्र सिन्हा, जितेंद्र सोनी, संजय साहू, जय शर्मा, दिव्यांश शर्मा, श्रेयांश शर्मा, आयुष शर्मा, सुजल निषाद एवं डिगेश साहू जोरदार का शानदार योगदान रहा।

खबर संक्षेप

भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष विभा ने ग्रहण किया कार्यभार

मैनपुर। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सोमवार को भाजपा के नवनियुक्त भाजपा महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ अध्यक्ष विभा अवस्थी ने अपने नवीन कार्यभार को संभाला, भाजपा महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ के कार्यभार सम्मेलन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी मौजूद थें। ज्ञात हो कि विभा अवस्थी मैनपुर विकासखंड के अमलीपदार निवासी है और भाजपा संगठन ने कई महत्वपूर्ण पदों का जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन कर चुके हैं आज उनके कार्यभार सम्मेलन में मैनपुर विकासखंड के अमलीपदर, उरमाल, गोहरापदर, देवभोग क्षेत्र से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी शामिल होने रायपुर पहुंचे और उन्हें बधाई दी।

खट्टी में भोजली का विसर्जन

महासमुंद। ग्राम खट्टी में हर साल की तरह इस वर्ष भी भोजली पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। कमरछठ के दिन भोजली बोया गया और पोला पर्व पर विसर्जन किया गया। भोजली का विसर्जन ग्रामवासियों ने गाजे बाजे के साथ किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित होकर भोजली की पूजा अर्चना कर विसर्जन में शामिल हुए। ग्रामीण प्रेमलाल साहू ने बताया कि ग्रामीण परंपराओं का निर्वहन और छत्तीसगढ़ी परंपराओं का सबसे महत्वपूर्ण पर्व भोजली ग्राम खट्टी में हर साल नियमनुसार मनाया जाता है। इस अवसर पर राजेंद्र साहू, रवि कुमार ध्रुव, गंगा प्रसाद साहू, परउ, रामजी ध्रुव, तुका राम समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

विश्व से अपराध मुक्ति का एकमात्र विकल्प है चेतना विकास मूल्य शिक्षा

महासमुंद। मानवीय शिक्षा शोध केंद्र तेंदूवाही पटेवा और कोकड़ी सरकारी स्कूल ने विकसित भारत-विकसित संसार, सुखी समृद्ध परिवार-सुखी समृद्ध संसार के लक्ष्य को पूरा करने के लिए देशभर के अनेक विद्यालयों, समाजसेवी संस्थाओं व श्रेष्ठ व्यक्तियों से मुलाकात व संवाद कार्यक्रम बनाया है। इस लक्ष्य को पूरा करते हुए नवदीप विद्या मंदिर गुजरात का शैक्षिक भ्रमण व अवलोकन छत्तीसगढ़ जीवन विद्या लोक व्यापीकरण अभियान टीम के प्रतिनिधि के रूप में किया। यह विद्यालय गुजरात विसनगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गांव के समीप ही है। जहां 380 बच्चों व 380 पालकों व 40 शिक्षकों ने चेतना विकास मूल्य शिक्षा प्रशिक्षण व जीवन विद्या लोक व्यापीकरण अभियान शिविर में भाग लिया। जिसका प्रबोधन शिक्षक गेंदलाल कोकडिया ने किया।

तीज पर्व पर किया गया पौधरोपण

महासमुंद। ग्राम खरोरा में तीज पर्व पर पौधरोपण किया गया। संवेदना समूह खरोरा के सदस्य मुकेश चंद्राकर ने बताया कि पौधे लगाने से इसी प्रकार हमारे जीवन की बुनियाद पेड़ पौधों पर निर्भर है। वही हमारे जीवन का आधार हैं। क्योंकि वृक्षों द्वारा छोड़ी गई ऑक्सीजन को हम सांस लेने में उपयोग करते हैं। इतना ही नहीं वृक्ष जो पानी जमीन से अवशोषित करते हैं। उसे वह पत्तों के द्वारा वाष्प के रूप में छोड़ देते हैं। जो वाष्पीकृत होकर वातावरण में नमी बनाए रखती है। बरसात में काफी मद्दगार साबित होती है। वृक्षों के इसी महत्व को बताने के लिए लोगों को जागरूक किया गया, जिससे वह पौधरोपण को बढ़ावा दें। इस साल 26 अगस्त मंगलवार को हरियाली तीज पर्व है।

पर्व : पति की लंबी उम्र के लिए महिलाएं करेंगी 24 घंटे का कठोर निर्जला व्रत

तीजा पर्व की धूम, यात्री बसों में भीड़, कपड़ा श्रृंगार की दुकानों में जमकर हुई खरीदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

छत्तीसगढ़ का पारंपरिक त्योहार तीजा इस साल 26 अगस्त को मनाया जाएगा। इस पर्व को लेकर मैनपुर नगर और आसपास के क्षेत्रों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। विवाहित महिलाएं पोला त्योहार के बाद से ही लगातार अपने मायके जा रही हैं, जिसके कारण यात्री बसों और टैक्सियों में भारी भीड़ है।

आज मैनपुर के साप्ताहिक बाजार में तीजा पर्व के लिए जमकर खरीदारी हुई। नगर की सभी दुकानों में, खासकर जनरल स्टोर, कपड़े, जूते, चप्पल, और सोने-चांदी की दुकानों में, देर शाम तक भीड़ लगी रही। महिलाओं में तीज पर्व का विशेष महत्व है, क्योंकि इस मौके पर भाई अपनी बहनों को और पिता अपनी बेटियों को ससुराल से लेने जाते हैं। मायके में तीजहारिनों को नए कपड़े, गहने और श्रृंगार का सामान उपहार में दिया जाता है। नेहा पटेल, माधुरी सिन्हा, मोनिका साहू और गीतांजलि चंद्राकर जैसी तीजहारिनों ने बताया कि तीज का व्रत पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाता है। इस दिन महिलाएं दिन भर निर्जला उपवास रखती हैं, भजन-कीर्तन करती हैं और रात में फुलेरा सजाकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं।

करू भात' और सब्जियों के दाम

तीज के एक दिन पहले 'करू भात' खाने की परंपरा है, जिसमें करेला की सब्जी बनाई जाती है। इसी वजह से बाजार में करेला की कीमत बढ़कर 80 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुँच गई है। तीज पर्व के कारण बाजारों में रौनक लौट आई है। विशेषकर, कपड़े और श्रृंगार की दुकानों पर महिलाओं की भीड़ देखते ही बन रही थी। बहनें और बेटियाँ अपने भाइयों या पिता के साथ बसों, जीपों और निजी वाहनों से आती-जाती दिखीं। सभी यात्री वाहन पूरी तरह से भरे हुए थे। नवविवाहित महिलाओं के लिए यह त्योहार और भी खास होता है, और उनके चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

बहुएं चलीं मायके, घर आयीं बेटियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

तीज का त्योहार माताओं और बहनों के लिए एक खास अवसर होता है, जिसका इंतज़ार वे साल भर करती हैं। पोला के बाद से ही मायके जाने का सिलसिला शुरू हो जाता है और करवा चौथ तक जारी रहता है। सोमवार को 'करू भात' खाने के लिए हर तरफ महिलाओं की भीड़ देखने को मिली। हर यात्री गाड़ी महिलाओं से भरी हुई थी, जो अपने बच्चों और सामान के साथ मायके जा रही थीं। भले ही देर शाम या रात हो जाए, सभी को जल्द से जल्द अपने मायके पहुँचने की जल्दी थी।

महिलाएं आज अपने मायके में पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखेंगी और भगवान भोलेनाथ तथा माता पार्वती से आशीर्वाद मांगेंगी। कल व्रत तोड़ने के बाद पूरे दिन खाने-पीने और मेहमानवाजी का दौर चलेगा। तीज के बाद गुरुवार से महिलाओं की ससुराल वापसी शुरू हो जाएगी।

जनप्रतिनिधि महिलाओं का मायके में स्वागत- इस साल कई जनपदों और नगरीय निकायों में महिला जनप्रतिनिधि जैसे अध्यक्ष, पार्षद और सरपंच चुनी गई हैं। चुनाव जीतने के बाद यह उनका पहला मायका प्रवास है। इन जनप्रतिनिधियों, जैसे फिंगेश्वर-राजिम जनपद अध्यक्ष इंद्राणी साहू और नगर पालिका नवापारा की अध्यक्ष ओमकुमारी साहू, को लग्जरी गाड़ियों से मायके जाते देखा गया। इन दोनों ने पूरे क्षेत्र की महिलाओं को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं और उनके जीवन में सुख-समृद्धि की कामना की।

बाजारों में तीज की रौनक

सोमवार को राजिम और नवापारा के बाजार भी महिलाओं से गुलजार रहे। फैंसी कॉर्नर से लेकर साड़ी सेंटरों तक, हर जगह मेले जैसी भीड़ थी, जहां महिलाएं त्योहार की तैयारियों में जुटी थीं।

डीएव्ही स्कूल मैनपुर में मनाया गया कला उत्सव और वेद प्रचार सप्ताह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

मैनपुर से महज 4 किलो मीटर की दूरी पर स्थित क्षेत्र का एकमात्र सीबीएसई स्कूल डीएव्ही मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल देहारगुडा में संस्था प्रमुख सुश्री वेनुका साहू के कुशल मार्गदर्शन में वेद प्रचार सप्ताह एवं कला उत्सव का आयोजन किया गया। वेद प्रचार सप्ताह का आयोजन 18 अगस्त 2025 से 25 अगस्त 2025 तक किया गया स कला उत्सव में कक्षा दसवीं की छात्र अंजलि मरकाम के द्वारा राग भुपाली तीन ताल मध्य लय में शास्त्रीय संगीत एवं वैभवी वर्मा, गायत्री नागेश, रुद्रकुमारी मरकाम के द्वारा उपशास्त्रीय संगीत में फिर किसी की याद आई। प्रशान्त महंत (संगीत शिक्षक) द्वारा रचित की प्रस्तुति दी गई। वेद प्रचार सप्ताह के अंतर्गत सात दिनों तक विभिन्न कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें प्रथम दिवस संस्कृत श्लोक का पाठ, द्वितीय दिवस चित्रकला प्रतियोगिता, तृतीय दिवस महापुरुषो की जीवनी, चतुर्थ दिवस राम स्तुति, पंचम दिवस क्विज प्रतियोगिता,

षष्टम दिवस वेद प्रचार से संबंधित जन जागरुकता रैली एवं अंतिम दिवस वैदिक हवन का आयोजन संपन्न हुआ जिसमें सभी बच्चों ने बढ़- चढ़कर हिस्सा लिया। संस्था प्रमुख वेनुका साहू ने अपने उद्बोधन में कहा कि वेद जीवन ग्रंथ हैं। यह हमें जीवन जीने की कला सिखाता है। इस अवसर पर मुख्य रूप से अजय नागेश, राकेश साहू, परम ज्योति भोई, लेखराज साहू, उत्तम साहू, मुरलीधर साहू, संगीता साहू, अग्निहोत्र साहू, रमेश यदु, तुलेश्वर निषाद, प्रशांत महंत , देविका नेताम, अंजु यदु, लवलित आडिले, लक्ष्मी बघेल, प्रहलाद मरकाम, शैलेश यादव सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राए उपस्थित रहे।

टीबीएस स्कूल में जन्माष्टमी का उल्लास

नवापारा-राजिम। टीबीएस उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक गतिवाधियों का आयोजन प्राचार्य हरप्रीत कौर मैम के सानिध्य एवं मार्गदर्शन में उत्साह पूर्वक किया गया। जिसमें कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागी के रूप में भाग लेकर अपनी बेहतरीन कला की प्रस्तुति से सबका मन मोह लिया। नर्सरी के नन्हें-मुन्हें बच्चे राधा-कृष्ण के स्वरूप में अद्भुत एवं सुंदर दिखाई दे रहे थे। श्रीकृष्ण के चित्रों पर रंग भरना, मटकी सजाना, कार्ड बनाना एवं मिट्टी से कृष्ण की मूर्ति बनाने की प्रतियोगिता में बच्चों ने सुंदर एवं मनमोहक मूर्तियाँ बनाई। तत्पश्चात कक्षा नवमीं से बारहवीं तक छात्र-छात्राओं ने मटकी फोड़ आयोजन में बढ़-चढ़कर रूचि दिखाई और हिस्सा लिया। इस प्रकार सांस्कृतिक गतिविधि आनंदपूर्वक संपन्न हुआ। शाला प्राचार्या जी ने सभी बच्चों को शुभकामनाएँ देते हुए, उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। समस्त गतिविधियों के आयोजन में सभी शिक्षकगणों का सराहनीय योगदान रहा।

गौवंश की मौत पर विश्व हिंदू परिषद का प्रदर्शन, नगर पंचायत का घेराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

नगर से लगे काजू रवार गौठान में भूख-प्यास से 5 से अधिक गायों की मौत होने पर विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और गौवंश की सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था की मांग की। विहिप ने सीएमओ को सौंपे ज्ञापन में आरोप लगाया कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण गौवंशों को बिना चारा-पानी के अव्यवस्थित ढंग से रखा गया था, जिससे यह दुखद घटना हुई। उन्होंने इसे प्रशासन की बदहाल व्यवस्था का परिणाम बताया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि लगातार हो रही गौवंशों की मौत नगर प्रशासन, किसान समिति और संबंधित अधिकारियों की गैर-जिम्मेदाराना रवैए को दर्शाती है, जो एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर पल्ला झाड़ रहे हैं। विहिप ने यह भी कहा कि मृत गायों को खुले में छोड़ दिया जाता है, जिन्हें कुत्ते नोचते हैं, जो कि एक अमानवीय दृश्य है।

प्रदर्शन और अधिकारियों का आश्वासन- विरोध-प्रदर्शन के दौरान, विहिप के कार्यकर्ताओं ने नगर पंचायत के बाहर जमकर नारेबाजी की। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने मुख्य द्वार बंद कर बैरिकेड्स लगाए, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने उन्हें गिरा दिया और बैरिकेड्स पर चढ़कर नारे लगाते रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार अंजली खलको, थाना प्रभारी गौतम गावड़े, डीएसपी गोपाल वैश्य और प्रभारी सीएमओ मनीष गायकवाड़ मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को उनकी मांगों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने घटनास्थल का भी दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र सूर्यवंशी, मुकेश साहू, शुभम तिवारी, अमन शर्मा, सतीश यादव, नरेश लहरे, अभिषेक सोनी, भूपेंद्र दीवान और अन्य विहिप कार्यकर्ता व नागरिक मौजूद थे। विहिप ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर दोषियों पर कार्रवाई और स्थायी व्यवस्था नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन और चक्काजाम करेंगे।

प्रमुख मांगे

1. जिम्मेदार अधिकारियों और व्यक्तियों पर कठोर कार्रवाई कर उन्हें निलंबित किया जाए।
2. गौवंश के लिए चारा, पानी और दवाइयों की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।
3. मृत गौवंश का विधिवत अंतिम संस्कार कराया जाए।
4. बरसात के मौसम में बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण और विशेष देखभाल की व्यवस्था तुरंत शुरू की जाए।

दम तोड़ रही केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी जल जीवन मिशन योजना

जल जीवन मिशन की टंकियां बनी शोपीस, करोड़ों रुपए खर्च के बाद भी पानी को तरस रहे ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

केंद्र सरकार की महत्वकांक्षी जल जीवन मिशन योजना छुरा विकासखंड के गाँव में दम तोड़ती नजर आ रही है। करोड़ों की लागत से बनी पानी की टंकियाँ सिर्फ दिखावा बनकर रह गई हैं, क्योंकि उनमें पानी नहीं आ रहा। इससे ग्रामीण आज भी पानी के लिए तरस रहे हैं। ग्राम पंचायत सिवनी की महिलाओं ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए बताया कि तीन साल पहले पानी की टंकी का निर्माण शुरू हुआ था, लेकिन काम इतनी धीमी गति से हुआ कि आज तक अधूरा है। घर-घर नल कनेक्शन और टोटियाँ लगा दी गई हैं, पर न पानी का कनेक्शन हुआ और न ही सप्लाई शुरू हो सकी।

ग्रामीण महिलाओं ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि उन्हें रोज़ाना पानी के लिए संघर्ष करना पड़ता है। हैंडपंप पर पानी भरने के लिए

घंटों लाइन में लगना पड़ता है, जिससे कई बार आपस में झगड़े भी हो जाते हैं। गाँव के सरपंच ने भी कई बार विभागीय अधिकारियों से मदद मांगी, लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने 'हर घर नल से जल' का वादा किया था, लेकिन हकीकत में उन्हें आज भी दूर से पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। तीन साल बाद भी खाली टोंटियों को देखकर वे निराश हैं।

भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सवाल

करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी जब लोगों के घरों तक पानी नहीं पहुँच रहा, तो इस योजना की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। ग्रामीण पूछ रहे हैं कि क्या यह योजना सिर्फ कागजों पर ही सिमटकर रह जाएगी, या सच में लोगों के जीवन में बदलाव लाएगी? इस पूरे मामले में संबंधित विभागीय अधिकारियों की चुप्पी और लापरवाही ने ग्रामीणों की समस्याओं को और बढ़ा दिया है। अब ग्रामीणों की एक ही मांग है कि जल जीवन मिशन का सपना सिर्फ कागज से बाहर निकलकर उनके घरों तक पहुँचे।

शिक्षक किशोर और डिगेश्वर सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

कलिंगा युनिवर्सिटी रायपुर द्वारा समारोह आयोजित कर महामहिम राज्यपाल पुरस्कार 2024 के शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जिसके तहत गरियाबंद जिले के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला कोमा कार्यरत उच्च श्रेणी शिक्षक किशोर कुमार निर्मलकर एवं शासकीय प्राथमिक शाला खेड़ीटिकरा मे कार्यरत सहायक शिक्षक डिगेश्वर कुमार साहू को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने एवं शिक्षा में नवाचारी प्रयोग करने हेतु श्रीफल प्रशस्ति पत्र, साल एवं मोमेंटो से सम्मानित किया गया । कार्यक्रम में डॉ संदीप गांधी कुलसचिव कलिंगा युनिवर्सिटी रायपुर, मुख्य अतिथि आर्यवीर आर्य गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक एवं महासचिव तथा कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अनिल प्रधान की उपस्थिति रही। इसके साथ ही उक्त शिक्षक डिगेश्वर साहू को मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण, नवाचारी शिक्षक एवं राज्यपाल पुरस्कार से पूर्व में सम्मानित किया जा चुका है। साथ ही गीतकार, साहित्यकार कवि शिक्षक किशोर निर्मलकर को शिक्षा के क्षेत्र में मुख्यमंत्री गौरव, अलंकरण पुरस्कार, राज्यपाल पुरस्कार एवं विभिन्न साहित्यिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा कई पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है।

खबर संक्षेप

गणेशोत्सव की तैयारी की युवामंच ने संभाली कमान

मैनपुर। तहसील मुख्यालय मैनपुर नगर और पूरे विकासखंड क्षेत्र में गणेशोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। इस साल मैनपुर नगर में युवामंच द्वारा गणेशोत्सव को भव्य रूप देने की तैयारी की जा रही है। पूरे नगर में विशाल स्वागत द्वार और एक बड़ा मंच बनाया जा रहा है। रायपुर से गणेश जी की भव्य प्रतिमा लाकर यहाँ स्थापित की जाएगी, जिसकी पूजा-अर्चना पूरे 10 दिनों तक चलेगी। इस दौरान विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ-साथ मानस गान सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है। युवामंच के अध्यक्ष चिरंजीव साहू के साथ-साथ हरिश्वर पटेल, रजनीश गुप्ता, हिमांशु रामटेके, आशीष गुप्ता, गुमान पटेल, प्रदीप पटेल, राहुल यादव, त्रिलोक पटेल, प्रतिक वान्दिले, निखिल जगत, रोहन साहू, रूपेंद्र पटेल, खेमू पटेल, चिरंजीव पटेल, राजा श्रीवास्तव, भावेश ध्रुव, अमितेश गुप्ता, विक्की गुप्ता, सुशील राजपूत, भूपेंद्र पटेल, शुभम सेन, ऐश पटेल, पियूष ग्वाले, यमन पटेल, ऋषि दास, पप्पू पटेल, पोखराज निषाद, खोवा जगत और अन्य कार्यकर्ता तैयारियों में लगातार जुटे हुए हैं। युवाओं के इस उत्साह से पूरे क्षेत्र में गणेशोत्सव को लेकर एक अलग ही माहौल बन गया है।

वृद्ध महिला को मिली घरेलू सामग्री दान में

अभनपुर। जगदगुरु संत रामपाल जी महाराज द्वारा संचालित अन्नपूर्णा मुहिम के तहत ग्राम ठेलकाबांधा की 85 वर्षीय फेंकन बाई धीवर को राशन, कपड़े व दैनिक जरूरत की सामग्री प्रदान की गई। अकेली रह रहीं वृद्धा के पास आय का कोई साधन नहीं है और वे महज 500 रूपये पेंशन व 10 किलो चावल पर निर्भर हैं। इस सेवा कार्य में ग्राम उपसरपंच महेश बघेल,सेवादार शशि यादव,संतोष महोबिया,कुबेर साहू,गुलाब साहू व अन्य लोग उपस्थित रहे।

तैयारी : बस्तर में बिराजेंगे राजिम के गणेश, कला के क्षेत्र में भी है अग्रणी

गणेश चतुर्थी की धूम, पंडालों और घरों में तैयारियां जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

जो अपने धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के लिए जाना जाता है, अब कला के क्षेत्र में भी अपनी पहचान बना रहा है। यहाँ के मूर्तिकार रमन चक्रधारी की कला का जादू इतना गहरा है कि उनकी बनाई गणेश जी और दुर्गा माता की मूर्तियाँ 300 किलोमीटर दूर तक, यहां तक कि बस्तर और जगदलपुर जैसे स्थानों तक भी जाती हैं। रमन चक्रधारी के हाथों में एक ऐसा जादू है जो मिट्टी को भगवान का रूप दे देता है। उनकी मूर्तियों को लोग दूर-दूर से आकर ले जाते हैं और महीनों पहले से ही ऑर्डर बुक करा लेते हैं। कुम्हार परिवार के रमन अपने इस पुश्तैनी व्यवसाय को पूरी लगन से निभा रहे हैं। पिछले 25 वर्षों से इस कला में लगे रमन बताते हैं कि जब उन्होंने काम शुरू किया था, तो उन्हें अपनी कला पर भरोसा था, लेकिन लोगों का इतना प्यार मिलेगा, इसकी कल्पना नहीं थी। इस साल भी उन्होंने कई फीट ऊंची विशाल गणेश प्रतिमाएं बनाई हैं, जिन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। रमन दिन-रात एक कर मूर्तियों को अंतिम रूप दे रहे हैं और उन्हें मेटाडोर और अन्य वाहनों से भेज रहे हैं। गणेश जी के अलावा वह मां दुर्गा, लक्ष्मी और विश्वकर्मा की मूर्तियां भी बनाते हैं। उनके इस काम में 30 सहयोगी भी हाथ बंटाते हैं।

सजाए जा रहे भव्य पंडाल

राजिम और नवापारा के साथ-साथ आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी गणेश चतुर्थी की तैयारियां जोरों पर हैं। जगह-जगह भगवान गणेश की प्रतिमाओं को विराजित करने के लिए भव्य पंडाल सजाए जा रहे हैं। शहर की विभिन्न गणेश उत्सव समितियां पंडालों के निर्माण, सजावट और अन्य कार्यक्रमों की तैयारी में जुटी हैं। नवापारा शहर में, सोनकर पारा, गंज रोड, सोमवारी बाजार, और पंजीवानी चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर भव्य पंडाल बनाए जा रहे हैं। इसके अलावा, सैकड़ों आस्थावान लोग अपने घरों में भगवान गणेश की छोटी-बड़ी प्रतिमाएं स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं। भक्तों ने अपने घरों की साफ-सफाई, लाइटिंग और सजावट का काम शुरू कर दिया है। गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले, मूर्तिकारों के यहाँ से ट्रैक्टर, मेटाडोर, और बाइक जैसे वाहनों पर सवार होकर भक्त प्रतिमाएं ले जाते हुए नजर आ रहे हैं। इस साल गणेशोत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

रसेला में गणेश उत्सव की तैयारियां जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रसेला

सालभर का इंतजार करने के बाद आखिरकार 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी का पावन पर्व मनाया जाएगा। इसके लिए क्षेत्र के हर घर हर मोहल्ले और चौक चौराहों पर मंडप को सजाने की तैयारियां जोरों पर चल रही है। गणेश चतुर्थी का त्योहार हर साल पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जाता है, बप्पा जब घर आते हैं तो उनके स्वागत की तैयारियां कई दिन पहले से शुरू हो जाती है, हर कोई चाहता है कि उनका पंडाल या घर सबसे अलग और खूबसूरत दिखें, बांस जैसे खंभे, ऊपर से पर्दे और फ्लावर गारलैंड से इसे आकर्षक बनाया जा रहा है। फ्रेम और फ्लावर डेकोरेशन, यहां गणपति जी को खूबसूरत फोटो फ्रेम जैसे बैकग्राउंड में सजाया जा रहा है, फ्रेम पर फूल और नेट कपडा लगाया गया है, जिससे लुक बिल्कुल रायल लगे। प्रथम पूज्य भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित कर पूजा विधि विधान से बुधवार से शुरू हो जाएगी। इधर गणेशोत्सव को लेकर हर वर्ग के लोगों को ध्यान में रखते हुए मूर्तिकार मूर्तियों को अंतिम स्वरूप देने में जुट गए हैं।

मूर्तिकार के घर या दूकानों में भगवान गणेश की छोटी या बड़ी मूर्ति से सजने लगी है। और विभिन्न प्रकार की मूर्तियां भक्तों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। क्षेत्र के ग्राम मुढीपानी, रूवाड, मेडकीडबरी, कुडेरादादर, दादरगाव नया, कोठीगाव, पड्रीपानी गोंड, कनसिघी, भरूवामुडा, सिवनी, केवटीझर, सेम्हरा, टेगनाबासा, टोनहीडबरी,रावनाभाटा सहित क्षेत्र हर गांवों में गणेश जी की मूर्ति स्थापित की जाती है। विघ्नहर्ता गौरी पुत्र भगवान गणेश जी के आगमन को लेकर लोगों में उत्साह बढ़ता जा रहा है।

जिला पुलिस की पहल फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

फिट इंडिया अभियान के तहत गरियाबंद पुलिस ने रविवार को एक अनूठी पहल करते हुए फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों और जवानों ने साइकिल रैली निकालकर लोगों से अपनी दिनचर्या में साइक्लिंग को शामिल करने की अपील की। पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के मार्गदर्शन में आयोजित संडे ऑन साइकिल अभियान के तहत यह साइकिल रैली निकाली गई।

जागरूकता फैलाने का प्रयास

गरियाबंद पुलिस ने इस रैली के माध्यम से लोगों से अपील की है कि वे छोटी-छोटी दूरियों के लिए वाहनों पर निर्भर रहने की बजाय प्रतिदिन कम से कम आधा घंटा साइकिल चलाएं। पुलिस का यह प्रयास लोगों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करने और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया है।

सुबह 7 बजे पुलिस परेड ग्राउंड से शुरू हुई यह रैली तिरंगा चौक होते हुए पूरे नगर का भ्रमण कर वापस पुलिस परेड ग्राउंड में आकर संपन्न हुई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने साइक्लिंग के स्वास्थ्य लाभों पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि नियमित रूप से साइकिल चलाने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, बल्कि यह मानसिक रूप से भी व्यक्ति को चुस्त-दुरुस्त रखती है। इसके साथ ही, उन्होंने साइकिल चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की जानकारी भी दी।

मैनपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक संगठन को मजबूत करने पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मैनपुर

तहसील मुख्यालय स्थित लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत बनाना तथा आगामी रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना था। बैठक की अध्यक्षता सिहावा की पूर्व विधायक और संगठन सृजन ब्लॉक कांग्रेस मैनपुर की प्रभारी लक्ष्मी ध्रुव ने की। बैठक में बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भावसिंह साहू, और जिला पंचायत सदस्य संजय नेताम भी मौजूद थे। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने के लिए गहन चर्चा और सुझाव लिए गए। पूर्व विधायक लक्ष्मी ध्रुव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमें कांग्रेस संगठन को और मजबूत बनाना है। उन्होंने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों की विफलताओं को लोगों तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासनकाल में जनता महंगाई, बेरोजगारी और विकास कार्यों की कमी से त्रस्त है। इस बैठक में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मैनपुर रामकृष्ण ध्रुव और महामंत्री गेंदु यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें खेदु नेगी, टीकम कपिल, निहाल नेताम, सोहन नागेश, प्रियंका कपिल, थानुराम पटेल, इमरान रजा, तीव सोनी, गजेन्द्र यादव, हरि"वर पटेल, गुंजेश कपिल, पारे"वर नेगी, सुकचंद ध्रुव, भुने"वर नेगी, रोहन मरकाम, पिले"वर सोरी, दुलेन्द्र नेगी, हरचंद ध्रुव, डोमार साहू, लोचन निर्मलकर, खेलन साहू, रामदास, मनबोध यादव, बिहारीलाल सिन्हा, गौतम सिन्हा, भानु सिन्हा, कन्हैयालाल नागेश, दयाराम यादव, सुकराम यादव, उवैश रजा, पुनित ध्रुव, बलदेव ठाकुर, रमेश कुमार, शंकर ठाकुर, अरविंद कुमार, तनवीर राजपूत, रामभरोसा, नीलकंठ ध्रुव, गुनेश्वर ध्रुव, आनंद सिन्हा, निखिल नेताम, केशव प्रसाद, और गिरधारी लाल सहित कई अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री गेंदु यादव ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुव ने किया।

एकलव्य विद्यालय छुरा में उद्भव का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुरा

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कोसमबुड़ा और मैनपुर के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय 'उद्भव 2025' राष्ट्रीय स्तरीय सांस्कृतिक एवं साहित्यिक कला उत्सव का शानदार आयोजन किया गया। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए छात्रों का चयन करना था। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता 29 और 30 अगस्त को कोरबा के एकलव्य विद्यालय छुरीकला में आयोजित होगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती माता तथा छत्तीसगढ़ महतारी की वंदना के साथ हुआ। इसके बाद, छात्र-छात्राओं ने अतिथियों का तिलक और बैज लगाकर तथा पौधे भेंट कर पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इस एक दिवसीय आयोजन में कुल 20 प्रतियोगिताएँ हुईं, जिनमें जिले के विभिन्न एकलव्य विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं को तीन श्रेणियों में बांटा गया था जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति समूह गीत, आदिवासी नृत्य (समूह), एकल लोकगीत, आदिवासी वाद्य वादन, क्षेत्रीय जनजातीय नृत्य। साहित्यिक कार्यक्रम में भाषण, कविता पाठ, वाद-विवाद, कहानी लेखन, रचनात्मक लेखन। चित्रकला कार्यक्रम में आदिवासी पेंटिंग, दृश्य कला (2D), दृश्य कला (3D), स्थानीय शिल्प।

प्रतियोगिता के परिणाम

प्रतियोगिता में कोसमबुड़ा विद्यालय का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। उन्होंने सांस्कृतिक और चित्रकला वर्ग में शानदार जीत दर्ज की, जबकि साहित्यिक वर्ग में कोसमबुड़ा और मैनपुर के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।

सांस्कृतिक वर्ग: कोसमबुड़ा ने 6 में से 4 इवेंट्स जीते।

साहित्यिक वर्ग: कोसमबुड़ा और मैनपुर ने 10 में से 5-5 इवेंट्स जीतकर बराबरी पर रहे।

पेंटिंग वर्ग: कोसमबुड़ा ने 4 में से 3 और मैनपुर ने 1 इवेंट में जीत हासिल की।

प्रमुख अतिथि और सम्मान

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किरण ठाकुर और विशिष्ट अतिथि के रूप में तोकेश्वरी मांझी उपस्थित रहीं। आयोजन को सफल बनाने में नोडल अधिकारी शशिकांत निकेतकारी और तरुण कुमार नामदेव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। निर्णायक मंडल में जिले के सभी स्थानीय अधीक्षकों ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। समापन समारोह में वरिष्ठ शिक्षिका श्वेता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। अंत में, प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव ने सभी अतिथियों को शॉल, भगवद्गीता और लेखनी भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रतियोगिताएं सिर्फ जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और रचनात्मकता बढ़ाने का अवसर हैं। उन्होंने छात्रों को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

खुटेरी में पोरा तिहार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| छुईहा बेलर

ग्राम खुटेरी में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पोरा त्यौहार हर के उपलक्ष्य में हैप्पी नवयुवक क्लब एवं ग्रामवासियों के तत्वावधान में विभिन्न पारम्परिक खेलो का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम के महिला पुरूष बच्चे तथा वरिष्टजन शामिल होकर भाग लिए। इस मनोरंजन खेलों का मायके पहुंचे तिजहारिनों ने भी भाग लिया। आयोजन स्थल प्राथमिक शाला मैदान में बारिश होने के बावजूद प्रतिभागी व दर्शक दोपहर बाद से देर शाम तक डटे रहे। खेल जिसमे मटका फोड़, रस्सा खींच, फुगड़ी जैसे पारम्परिक खेलों का प्रदर्शन हुआ। बोरा दौड़ में प्रथम देवेंद्र निषाद, द्वितीय वासुदेव विश्वकर्मा, जलेबी दौड़ प्रथम भीमा सेन, डाकेश विश्वकर्मा, गुपचुप प्रथम ज्योति विश्वकर्मा, फुगड़ी प्रथम झरना निर्मलकर , द्वितीय त्रिसा निषाद, बिना हाथ लगाए बिस्किट खाना प्रथम खुमेश्वरी निषाद, द्वितीय लक्ष्मी निषाद, धिमि सायकल रेस प्रथम प्रियांशु, द्वितीय मिथुन, रस्सा खींच महिला वर्ग विजेता लक्ष्मी बाई, पुरूष वर्ग राजकुमार, कुर्सी नागेश्वरी, द्वितीय लक्ष्मी निषाद मटका फोड़ प्रथम अनुपी साहू द्वितीय शंकर यादव थे। जिसे प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उक्त कार्यक्रम में सरपंच बेनीशंकर साहू उपसरपंच ढालचंद निषाद सचिव तेजराम साहू, प्रहलाद, बिसेलाल, चितरंजन, खेमू, चोखेलाल, लुकेश्वर, नेमू, पप्पू, हेमंत, लोकनाथ,लल्ला, संतु, हुमेश्वर, सुखराम,नागेश, रोशन, लोमश, खेलावन, राजकुमार, कमलेश, लेखु, दौलत, भागवत, उत्तम, येनसिंग और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों की बैठक ग्राम पाली में हुई

महासमुंद। ग्राम पंचायत पाली में सक्षम सेवा संस्थान छत्तीसगढ़ प्रांत के मार्गदर्शन में जिला सक्षम संयोजक राजेश कुमार नायक द्वारा दिव्यांगों और मातृशक्ति के साथ बैठक हुई। जिसमें सक्षम संगठन का परिचय, दिव्यांग व महिला आयाम के लिए कार्य की जानकारी दी गई। बैठक में सरपंच भुवनेश्वर लोधी, मन्नू विश्वकर्मा, तोषण यादव, विजय ध्रुव, ठाकुरराम दीवान, विजय भरद्वाज, धनीराम साहू, प्रहलाद दीवान, पूर्णिमा दीवान, झरना मिर्धा उपस्थित रहे। इस बैठक में दिव्यांग मन्नू विश्वकर्मा (पाली) को महासमुंद ब्लॉक और केयूर भूषण (कोमाखान) को बागबाहरा ब्लॉक का संयोजक नियुक्त किया गया। इस बैठक में 8 दिव्यांग और 3 महिला, 4 सामान्यजन उपस्थित रहे।

खबर प्रकाशन के बाद जागा विभाग, मनोज को मिली राहत

आखिरकार दिव्यांग मनोज को मिला व्हीलचेयर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

जनपद पंचायत फिंगेश्वर के अंतिम छोर पर बसे ग्राम रवेली के 13 वर्षीय दिव्यांग मनोज विश्वकर्मा को आखिरकार सरकारी योजना का लाभ मिल गया। 90% दिव्यांग होने के बावजूद मनोज अभी तक शासन की योजनाओं से वंचित था। वह बोल नहीं पाता, ठीक से चल नहीं पाता और उसके हाथ भी कमजोर हैं। उसके माता-पिता गरीब हैं और रोजमर्रा के काम करके अपना जीवन-यापन करते हैं। किसी का ध्यान इस दिव्यांग बच्चे की तरफ नहीं जा रहा था।

यह मामला तब सामने आया जब हरिभूमि संवाददाता उरेन्द्र साहू की नजर मनोज पर पड़ी। उन्होंने उसके घर जाकर परिवार से मुलाकात की और पूरी जानकारी जुटाई। हरिभूमि ने 22 अगस्त को इस बच्चे की पीड़ा को प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर छपने के अगले ही दिन, जनपद पंचायत फिंगेश्वर से मनोज के पिता राजकुमार को बुलाया गया। हालांकि, कर्मचारियों की हड़ताल के कारण उन्हें उस दिन निराश होकर लौटना पड़ा। अधिकारियों ने उनसे कहा कि व्हीलचेयर सोमवार को दी जाएगी। सोमवार दोपहर को, मनोज को आखिरकार व्हीलचेयर प्रदान कर दी गई। इसके अलावा, अधिकारियों ने मनोज का राशन कार्ड भी जल्द बनवाने का आश्वासन दिया है।

दिव्यांग मनोज को नहीं मिल रहा सरकारी योजनाओं का लाभ, मदद की लगाई गुहार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोपरा

सरकारी योजनाओं पर सवाल

इस घटना ने एक बार फिर से यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर जरूरतमंदों तक सरकारी योजनाएं समय पर क्यों नहीं पहुंच पाती हैं। सरकार बड़े-बड़े दावे करती है कि हर घर तक योजनाओं का लाभ पहुँच रहा है, लेकिन रवेली जैसे दूर-दराज के गांवों में ये योजनाएं किसी के सहारे ही मुश्किल से पहुँच पाती हैं। क्या भोले-भाले ग्रामीण अनपढ़ होने के कारण योजनाओं की जानकारी नहीं रख पाते? या फिर कोई और कारण है कि हर गांव में सरकारी कर्मचारी होने के बावजूद पात्र हितग्राही योजनाओं से वंचित रह जाते हैं?